स्त्रियों की दीर्घायु का राज़

यह जानी मानी बात है कि आम तौर पर स्त्रियों की औसत आयु पुरुषों से अधिक होती है। ऐसा क्यों होता है, यह ज़रूर विवाद का विषय हो सकता है।

अब तक माना जाता था कि पुरुषों की औसत आयु कम इसलिए होती है क्योंकि वे ज़्यादा जोखिमों से खेलते हैं - जैसे वे घर से बाहर दुर्घटनाओं में मौत के शिकार हो सकते हैं वगैरह। मगर अब लंदन के इम्पीरियल कॉलेज स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिचर्ड एस्पिनल, जेफरी पिडो लोपेज़ व अन्य शोधकर्ताओं ने स्त्रियों की दीर्घायु की एक नई व्याख्या पेश की है और उसे आंकड़ों की मदद से पुष्ट भी किया है।

एस्पिनल और उनके शोधकर्ता साथियों का मत है कि पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों का रोग प्रतिरक्षा तंत्र कहीं अधिक सशक्त होता है। टी-कोशिका नामक कोशिकाएं हमारे प्रतिरक्षा तंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। ये टी-कोशिकाएं ही विभिन्न रोग संक्रमणों से मुकाबला करती हैं। इनका निर्माण शरीर में थायमस नामक ग्रन्थि मे होता है। उम्र के साथ यह ग्रन्थि कमज़ोर पड़ती जाती है और टी-कोशिकाओं का उत्पादन कम होता जाता है।

एस्पिनल व उनके सहयोगियों ने 20 से 62 वर्ष उम्र के 46 स्त्री-पुरुषों में नई निर्मित होने वाली टी-कोशिकाओं की गिनती की। यह सही था कि स्त्री-पुरुष दोनों में ही उम्र के साथ टी-कोशिकाओं के निर्माण में कमी आती है किन्तु यह देखा गया कि एक ही उम्र में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक संख्या में टी-कोशिकाएं बनती हैं।

परन्तु क्या इस अतिरिक्त संख्या से स्त्रियों को वाकई कोई लाभ होता है? इस बात की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने यह देखा कि ब्रिटेन में 1993 से 1998 के बीच कितनी स्त्रियां और कितने पुरुष निमोनिया व इंफ्लुएंज़ा के संक्रमण से मरे। पाया गया कि इन बीमारियों से स्त्रियों की अपेक्षा पुरुष ही अधिक मारे गए थे। और इस अंतर का सीधा सम्बंध थायमस की सक्रियता से बैठता है।

होता यह है कि वृद्धावस्था में टी-कोशिकाएं बहुत कारगर नहीं रह जातीं। अतः यदि लगातार नई टी-कोशिकाएं बनती रहें तो काफी फायदा मिलने की उम्मीद की जा सकती है।

वैसे एस्पिनल का मत है कि पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों की औसत आयु अधिक होने के अन्य कारणों को नकारना उचित नहीं होगा। हो सकता है कि पुरुष जोखिमों के कारण भी लंबे समय तक न जी पाते हों किन्तु अतिरिक्त टी-कोशिकाएं और थायमस की सक्रियता भी एक अहम कारक है। *(स्रोत फीचर्स)*

वर्ष 1999 व 2000 के **स्रोत** *सजिल्द 150 रुपए में उपलब्ध हैं।*
डाक से मंगवाने पर 25 रुपए अतिरिक्त।

सम्पर्क : ई-7/ एच.आई.जी. 453, अरेरा कॉलोनी, भोपाल - 462 016 (म.प्र.)